ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, शुक्रवार 22 नवम्बर 2024
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 1 अंक 259

10 नक्सलियों को ढेर करने के बाद जश्न:छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ के बाद हथियारों के साथ नाचे जवान; जनवरी से अब तक 207 नक्सली ढेर



24 न्यूज अपडेट

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया है। इसमें 3 महिला और 7 पुरुष हैं। सभी के शव और 3 ऑटोमैटिक हथियार बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ के बाद जवान जश्न मनाते भी दिखे। जवानों ने हथियारों के साथ डांस किया।

भेज्जी के दंतेसपुरम, कोराजुगुड़ा, नागाराम के जंगल में यह मुठभेड़ हुई है। DRF और CRPF जवानों की कोंटा और किस्टाराम एरिया कमेटी के नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हुई। इस साल 1 जनवरी से 22 नवंबर तक 207 नक्सली मारे गए हैं।

ओडिशा के रास्ते CG में घुसे थे नक्सली

सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि भेज्जी के जंगल में नक्सलियों का जमावड़ा है। इसके बाद जवानों को रवाना किया गया, जहां नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। एक दिन पहले ही भारी संख्या में नक्सली ओडिशा के रास्ते CG बॉर्डर में घुसे थे। इस दौरान ओडिशा पुलिस के साथ मुठभेड़ भी हुई थी। इसमें एक नक्सली मारा गया था, वहीं एक जवान घायल हुआ था। इसके बाद छत्तीसगढ़ फोर्स अलर्ट पर थी।

हमारी मेहनत पर अपना पीठ थपथपा रही भाजपा- बघेल

मुठभेड़ पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमारी सरकार में जितने कैंप खुले उतने कैंप 15 सालों में कोर सेंटर में नहीं खुले। पहले बफर जोन में ही कैंप खुलते थे, रमन सिंह की सरकार में आदिवासी गांव खाली कर दूसरे राज्यों में चले गए थे।

बघेल ने कहा कि कांग्रेस ने नक्सलियों को 600 गांव से खाली कराए, स्कूल, रोड, पढ़ाई, हॉस्पिटल, जमीन पट्टा हमने दिए, रोजगार के अवसर हमने दिया। इसलिए आदिवासियों का विश्वास सरकार पर लौटा।अबूझमाड़ में 2 ब्रिज बनाए, इसलिए ऑपरेशन में सफलता मिली। सारी मेहनत हमने कीआज पीठ ये थपथपा रहे हैं।

पॉल्यूशन पर SC बोला-दिल्ली सरकार की कोशिशों से संतुष्ट नहीं:ट्रकों की एंट्री बैन पर कुछ नहीं किया, 3 दिन और सख्ती की जानी चाहिए



24 न्यूज अपडेट

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में प्रदूषण को लेकर शुक्रवार को दिल्ली की AAP सरकार को फटकार लगाई। अदालत ने कहा, 'दिल्ली सरकार की कोशिशों से हम संतुष्ट नहीं हैं। सरकार ने ट्रकों की एंट्री रोकने के लिए भी कुछ नहीं किया है।''

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, '113 एंट्री पॉइंट पर सिर्फ 13 CCTV क्यों हैं। केंद्र सरकार इन सभी एंट्री पॉइंट्स पर पुलिस तैनात करे। एक लीगल टीम बनाई जाए जो यह देखे कि क्या वाकई में वाहनों की एंट्री पर रोक लगाई जा रही है या नहीं। इसके लिए हम बार एसोसिएशन के युवा वकीलों को तैनात करेंगे।'

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने प्रदूषण कंट्रोल करने के लिए दिल्ली सरकार के कदम को लेकर आपत्ति जताई है। आदेशों के बावजूद दिल्ली पुलिस स्टेज 4 के प्रतिबंध समय पर लागू कराने में विफल रही। GRAP-4 के प्रतिबंध कम से कम 3 दिन और लागू रहने चाहिए। मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर को होगी।

विनोद तावड़े का राहुल-खड़गे को 100 करोड़ का नोटिस:कहा- मुझे और BJP को बदनाम करने के लिए 5 करोड़ बांटने का आरोप लगाया, माफी मांगें



24 न्यूज अपडेट

महाराष्ट्र चुनाव से पहले हुए कैश कांड पर भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेजा। तावड़े ने कहा कि भाजपा और मुझे बदनाम करने के लिए इन नेताओं ने झूठे आरोप लगाए। कहा कि मैंने 5 करोड़ रुपए जनता में बांटे। भाजपा महासचिव ने कहा कि मैं इन नेताओं के साथ कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत को नोटिस भेज रहा हूं, ये लोग जनता के बीच मुझसे माफी मांगें या कोर्ट कार्रवाई का सामना करें।

महाराष्ट्र में वोटिंग से एक दिन पहले 19 नवंबर को बहुजन विकास अघाड़ी (BVA) ने तावड़े पर 5 करोड़ रुपए बांटने का आरोप लगाया था। BVA अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर और उनके बेटे क्षितिज 19 नवंबर विरार के होटल पहुंचे। यहां तावड़े नालासोपारा से भाजपा कैंडिडेट राजन नाइक और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग कर रहे थे। BVA ने आरोप लगाया कि तावड़े 5 करोड़ रुपए लेकर होटल पहुंचे थे और यहां वोटर्स को पैसे बांटे जा रहे थे।

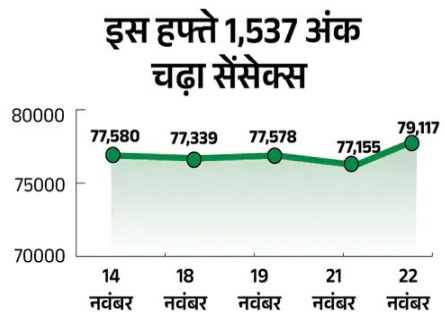
अरविंद केजरीवाल का 'रेवड़ी पर चर्चा' अभियान:बोले- दिल्ली में 65 हजार मीटिंग करेंगे, लोगों से पूछेंगे- उन्हें मुफ्त की 'रेवड़ियां' चाहिए या नहीं



24 न्यूज अपडेट

दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी (AAP) संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को AAP के 'रेवड़ी पर चर्चा' अभियान की शुरुआत की। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव सिर पर हैं। हम आज से 'रेवड़ी पर चर्चा' अभियान की शुरू करने जा रहे हैं। पूरी दिल्ली में 65 हजार मीटिंग की जाएंगी। हमारी सरकार की 6 मुफ्त की 'रेवड़ियों' वाला पर्चा बांटेंगे। उन्होंने कहा- हमने दिल्ली में बहुत काम किया है। हमने दिल्ली के लोगों को 6 मुफ्त सुविधाएं 'रेवाड़ियां' दी हैं। हम दिल्ली के लोगों से पूछना चाहते हैं कि उन्हें ये 'रेवाड़ियां' चाहिए या नहीं चाहिए। दिल्ली विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है। पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था, जिसमें आम आदमी पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल किया था और 70 में से 62 सीटें जीती थीं।

सेंसेक्स में 5 महीने बाद करीब 2000 अंकों की उछाल:निवेशकों की वेल्थ 7.25 लाख करोड़ बढ़ी; अडाणी ग्रुप के 10 में से 6 शेयर्स चढ़े



नोट : 15 नवंबर और 20 नवंबर को बाजार बंद था।

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी 22 नवंबर को सेंसेक्स 1961 अंक (2.54%) की तेजी के साथ 79,117 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 557 अंक (2.39%) की तेजी रही, ये 23,907 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में तेजी और 1 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 49 में तेजी और 1 में गिरावट रही। निफ्टी मीडिया छोड़कर NSE के सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। आईटी और रियल्टी इंडेक्स सबसे ज्यादा चढ़ा।

निवेशकों की वेल्थ 7.25 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

शेयर बाजार में खरीदारी से निवेशकों की वेल्थ 7.25 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई। शुक्रवार, 22 नवंबर को BSE पर लिस्टेड कंपनियों का ओवरऑल मार्केट कैप 432 लाख करोड़ रुपए हो गया। 21 नवंबर को यह लगभग 425 लाख करोड़ रुपए था।

बुशरा बीबी बोलीं- सऊदी ने इमरान को सत्ता से हटाया:नंगे पांव मदीना जाने की सजा मिली; कहा- 24 नवंबर का प्रोटेस्ट बंद नहीं होगा



24 न्यूज अपडेट

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने सऊदी अरब पर उनके पति के खिलाफ साजिश रचने और उन्हें सत्ता से बाहर करने का आरोप लगाया है। बुशरा बीबी ने 29 मिनट का वीडियो जारी कर इसका दावा किया है। वीडियो तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के यूट्यूब चैनल पर जारी हुआ है।

इससे पहलेखान ने अमेरिका पर उन्हें सत्ता से बाहर करने का इल्जाम लगाया था। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि बुशरा के नए खुलासे से इमरान का जेल से बाहर आना और मुश्किल हो जाएगा।

वीडियो संदेश में बुशरा ने पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा का भी नाम लिया है।

बाजवा बोले- आरोपों में कोई सच्चाई नहीं

बुशरा ने कहा कि मई 2021 में इमरान खान ने सऊदी अरब की धार्मिक यात्रा की थी। इस दौरान इमरान 'नंगे पांव' मदीना गए थे। उनके वापस आने के बाद जनरल बाजवा को फोन आने लगे थे। उन्होंने बाजवा से कहा कि 'ये अपने साथ किस आदमी को उठा लाए हो, हम इस मुल्क में शरियत का निजाम खत्म करना चाहते हैं और तुम शरियत के ठेकेदारों को उठा लाए हो। हमें ये नहीं चाहिए।'

बाबा सिद्दिकी मर्डर केस में मजदूर का हॉटस्पॉट इस्तेमाल हुआ:आरोपी आकाशदीप ने इसके जरिए मास्टरमाइंड अनमोल से बातचीत की



24 न्यूज अपडेट

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और NCP अजित पवार गुट के नेता बाबा सिद्दिकी मर्डर केस में पुलिस ने नया खुलासा किया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक पंजाब के फाजिल्का से गिरफ्तार आकाशदीप गिल ने मास्टरमाइंड अनमोल बिश्नोई और अन्य साजिशकर्ताओं से बात करने के लिए एक मजदूर के मोबाइल हॉटस्पॉट का इस्तेमाल किया था। 12 अक्टूबर की रात बांद्रा ईस्ट इलाके में बाबा सिद्दिकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वे अपने बेटे विधायक जिशान के ऑफिस के बाहर अपनी कार में बैठने जा रहे थे, उसी समय बाइक सवार हमलावारों ने उन पर फायरिंग कर दी थी।

इलाज के दौरान देर रात करीब 11:30 बजे उनका निधन हो गया।मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक हमलावारों को हथियार और अन्य सुविधाएं आकाशदीप ने ही मुहैया करवाई थीं। पूछताछ में आकाशदीप ने बताया कि उसने पुलिस से बचने के लिए एक मजदूर का मोबाइल ऑन करवाया और अनमोल समेत अन्य लोगों से बातचीत की थी।

राहुल विवादित फैसले पर आउट हुए:कोहली ने लाबुशेन का कैच ड्रॉप किया, पंत ने स्कूप शॉट पर सिक्स लगाया; टॉप मोमेंट्स

24 न्यूज अपडेट

पर्थ टेस्ट के पहले दिन भारत मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंडियन टीम 150 रन पर ऑलआउट हो गई। ओपनर केएल राहुल अंपायर के विवादित फैसले पर आउट हुए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया टीम ने स्टंप्स तक 67 रन पर 7 विकेट गंवा दिए। जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट लिए।

शुक्रवार को मैच में कई मोमेंट्स देखने को मिले। पंत ने गिरकर स्कूप शॉट लगाया, उनका कैच पैट कमिंस ने छोड़ा। कोहली ने लाबुशेन का कैच ड्रॉप किया। हर्षित ने डेब्यू पर ट्रैविस हेड को बोल्ड किया।



संपादकीय : आतंक बनाम संवाद

यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि आतंकवाद दुनिया भर के लिए एक बड़ी चुनौती है और इससे पीड़ित देशों की सीमाएं नहीं रह गई लगती हैं। इस समस्या ने कई अलग-अलग शक्ल अख्तियार कर लिए हैं और निशाने पर लिए गए देश में हमला करके निर्दोष लोगों की हत्या करने में आतंकियों को जरा भी हिचक नहीं होती। भारत पिछले कई दशक से इस जटिल समस्या का सामना कर रहा है। कई बार बड़े और घातक आतंकी हमलों में बड़ा नुकसान उठाने के समांतर भारत ने बहुत सख्ती से आतंकवाद से मोर्चा भी लिया है। हर थोड़े दिनों के अंतराल के बाद जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में आतंकियों के मारे जाने की घटनाएं बताती हैं कि भारत किस तरह की चुनौती से जूझ रहा है। आज भी हालत यह है कि आए दिन कश्मीर में आतंकी हमले होते रहते हैं और उसमें आम लोगों और सुरक्षा बलों के जवानों की जान चली जाती है । सवाल है इस तरह आतंकी तत्त्वों को संरक्षण कौन देता है? किसे इस बात से संतोष मिलता दिखता है कि भारत को आतंकवाद की समस्या का जाल में फंसा कर रखा जाए, ताकि उसे अन्य मोर्चों पर अपनी संगठित ऊर्जा लगाने का मौका न मिले। यह जगजाहिर रहा है कि भारत में और खासतौर पर जम्मू-कश्मीर के इलाके में जितने भी आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं, आमतौर पर वे पाकिस्तान स्थित ठिकानों से संचालित होते हैं। कुछ वर्ष पहले बेजिंग में हुए ब्रिक्स बैठक के घोषणापत्र में अपनी सीमा में आतंकवादी संगठनों को पनाह देने के लिए पाकिस्तान को कठघरे में भी खड़ा किया गया था। एक ओर पाकिस्तान अपनी सीमा में ऐसे ठिकानों को ध्वस्त करने और आतंकी संगठनों के खात्मे में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाता है और दूसरी ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति और बातचीत की दुहाई भी देता है। यह स्थिति तब भी बनी हुई है जब खुद पाकिस्तान में भी आम लोग आए दिन बड़े आतंकी हमलों का शिकार होते रहते हैं। गुरुवार को भी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुए आतंकी हमले में कम से कम पचास लोगों के मारे जाने और कइयों के घायल होने की खबर आई। इसी तरह के दोहरे रवैये से आतंकवाद की समस्या से निपटने के उसके दिखावे का पता चलता है, जिसका खमियाजा खुद उसे भी उठाना पड़ता है। हालांकि भारत ने अपनी ओर से पाकिस्तान के सामने बतचीत के जरिए समस्याओं के निपटाने का दरवाजा खुला रखा, इसके बावजूद पाकिस्तान के रुख में कोई बदलाव नहीं आगा। इसलिए अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने ठीक ही कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत में पहला मुद्दा आतंकवाद पर रोक लगाना है याँ भी आतंकवाद के प्रति भारत की नीति स्पष्ट रही है कि वह इसे किसी भी रूप में बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा। इसकी वजह यही रही है कि भारत लंबे समय से सीमापार से जारी और इसके अलावा भी वैश्विक आतंकवाद का शिकार रहा है। मुंबई और पुलवामा में हुए आतंकी हमलों की तरह की बड़ी घटनाओं के अलावा यह समस्या भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग इलाके में जिस तरह लक्षित आतंकी हमलों का सिलसिला बढ़ गया है, उसके खोत और कारण को समझना मुश्किल नहीं है। विडंबना यह है कि अनेक मौके पर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से आतंकवाद के मसले पर फटकार सुनने के बावजूद पाकिस्तान को अपनी भूमिका में सुधार लाने की जरूरत महसूस नहीं होती।

भविष्य की फिक्र

आस्ट्रेलिया ने सोशल मीडिया की बुरी लत से सोलह साल से कम उम्र के बच्चों को बचाने के लिए एक बड़ी पहल की है। यहाँ की संसद में पेश इससे संबंधित विधेयक पारित हो गया तो बच्चे सोशल मीडिया पर प्रतिबंधित हो जाएंगे। नियमों को तोड़ने पर सोशल मीडिया के मंचों को भारी जुर्माना देना होगा। यों इससे पहले फ्रांस, ब्रिटेन, स्वीडन और चीन जैसे देश इस तरह के कदम उठा चुके हैं। इसके समांतर आस्ट्रेलिया का भी संदेश बड़ा है। नए कानून के मुताबिक सोशल मीडिया को आयु सीमा लागू करने के लिए जवाबदेह बनाया जाएगा। जाहिर है, वहां सोलह साल से कम उम्र के बच्चे अब सोशल मीडिया पर अपने खाते नहीं खोल पाएंगे। जो बच्चे अभी मंच पर मौजूद हैं, उन पर स्वतः रोक लग जाएगी। इसमें उनके अभिभावकों की भी सहमति मान्य नहीं होगी। पढ़ाई-लिखाई से लेकर बहुत सारी जरूरत की गतिविधियों के लिए आनलाइन माध्यमों पर बढ़ती निर्भरता के दौर में बच्चों और किशोरों को स्मार्टफोन से दूर रखना या उसका सीमित इस्तेमाल एक चुनौती होगी। मगर भविष्य की पीढ़ियों के हित में कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत वक्त का तकाजा है। दुनिया भर के देशों में मोबाइल फोन की लत आज ज्यादातर लोगों के जीवन का हिस्सा बन गया है और इसमें बच्चे या किशोर अपवाद नहीं हैं। जरूरत या सुविधा के नाम पर जिन बच्चों को स्मार्टफोन मिला हुआ है, वे सोते-जागते, हर समय उसमें गुम रहते हैं। सोशल मीडिया के मंचों पर यह आदत थोड़ी और बेकाबू हो जाती है। बहुत सारे बच्चे अनायास ही ऐसी सामग्रियां देखने लगते हैं, जो मादक पदार्थों के सेवन, हिंसा, खुदकुशी, खानपान संबंधी बुरी आदतों को बढ़ावा देती हैं। जब अभिभावक उन्हें इस सबसे दूर रहने को कहते हैं, तो बच्चे चिड़चिड़े हो जाते हैं और कई बार उनकी प्रतिक्रिया सहज नहीं रह पाती । चिंता की बात यह है कि वीडियो गेम और रील देख कर बच्चे वयस्क हो रहे हैं। उनमें अकेले रहने और हिंसक होने की प्रवृत्ति बढ़ी है। उनकी नींद गायब हो रही है। इससे उनके स्वास्थ्य पर भी असर पड़ा है। पढ़ाई से अधिक स्मार्टफोन पर वक्त गुजारने से वे खेल गतिविधियों से भी दूर हो गए हैं।

एमबी में भूलकर ना करें ब्लड डोनेशन : पेशेंट बोला-अस्पताल प्रशासन की मिलीभगत से हो रहा है खेल, -सख्त कार्रवाई होनी चाहिए



रिपोर्ट : जयवंत भैरविया

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। कल जब हमने कहा कि उदयपुर के एमबी अस्पताल में रक्तदान करने के बारे में सोच रहे हैं तो जरा ठहर जाइये। यह आपकी बहुत बड़ी भूल तो नहीं हैं,, तो कई जागरूक लोगों ने इस मामले का संज्ञान लेकर पूछताछ की कि आखिर एमबी हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में ऐसा कौनसा पोपाबाई का राज चल रहा है कि सीएम पोर्टल पर की गई शिकायत की भी सुनवाई नहीं हो रही है। पाठकों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यहां पर रक्तदान से पहले अब वे 100 बार सोचेंगे। साथ ही दूसरां को भी हिदायत देंगे कि रक्तदान महादान के चक्कर में आकर कहीं पूर परिवार के साथ रक्तदान करने की भूल नहीं कर बैठें। क्योंकि अगर जरूरत पड़ी गई तो यहां घनचक्कर बनाया जाएगा और झिड़कियां अलग से सुननी पड़ेगी। आपके डोनर कार्ड तक फेंक दिए जाएंगे। इसकी शिकायत कहीं नहीं सुनी जाएगी। सीएम पोर्टल पर भी इस अर्जेंट मैटर पर जवाब नहीं दिया जाएगा। आज हमने इस बारे में एक बार फिर से पेशेंट से बात की तो पता चला कि पेशेंट को कल ही डॉक्टर ने कहा दिया कि अगर आप थोड़ा ठीक महसूस करते हैं तो छुट्टी लेकर जा सकते हैं। ऐसे में पेशेंट ने छुट्टी ले ली। लेकिन इससे पहले उन्होंने रक्तदान के लिए डोनर लाने को जो तनाव झेला उससे वे खासे खफा दिखाई दिए। उनका कहना था कि घर के लोगों को जबर्दस्ती तनाव दिया गया। भागादौड़ी करवाई गई। भर्ती होते ही डाक्टर साहब ने कहा कि चार बोतल खून चढ़ेगा। डोनर लाए तो खून नहीं लिया, डोनर कार्ड लाए तो बड़ी मुश्किल से दो बार रक्त मिला। तीसरे में तो ब्लड बैंक के डाक्टर ने कार्ड ही साइड में फेंक दिया व कहा कि यह नहीं चलेगा। .....कार्ड लेकर आ जाते हैं। उनके तीमारदार ने पूछा कि कार्ड लेकर आ जाते हैं का क्या मतलब है?? क्या कार्ड रास्ते में मिलता है या ऑनलाइन। कार्ड तो खून के बदले ही मिलता है। ब्लड डोनेट किया है इसीलिए कार्ड लेकर बदले में आज रक्त लेने आए हैं। इसमें रक्त देने में दिक्कत क्या हो रही है। बार-बार निवेदन पर भी नहीं दिया गया। आखिरकार थक हार कर सीमए पोर्टल पर शिकायत की, अधिकारियों से बात की। मगर सब तरफ से टकरा दिया गया। मरीज के रिश्तेदार ने कहा कि यह विडंबना है कि कलेक्टर साहब जनसुनवाई में पोर्टल की शिकायतों का निस्तारण करके ढिंढोरा पीट रहे हैं जबकि यहां अर्जेंट मामले की सुनवाई करने वाला कोई नहीं है। उनकी जान पहचान किसी भी विधायक या सांसद से नहीं है। कोई पार्षद भी पहचान का नहीं है जिससे कि वो फोन करवा सके।

डोनर बुलाया, रक्तदान करवाया तो कह दिया अब ब्लड की जरूरत नहीं

मरीज के रिश्तेदार ने बताया कि आखिरकार बड़ी मशक्कत के बाद एक डोनर बुलाया व रक्तदान करवाया। रक्तदान के बाद जब वार्ड में गए तो डाक्टर ने कहा कि अब मरीज को और रक्त की जरूरत नहीं है। जबकि यह बात रक्तदान से पहले ही कहीं जा सकती थी। मरीज ने कहा कि उन्हें इस बात से काफी निराशा हुई कि उनका डोनर एक ऐसे रक्त बैंक में रक्त देकर गया जहां से बदले में जरूरत पर कार्ड से रक्त नहीं दिया जा रहा है। इस डोनर का रक्त जब काम में नहीं आया तो रक्त बैंक की ओर से डोन का कोई कार्ड तक नहीं दिया गया। आज जब फिर से जाकर कार्ड मांगा तो डिस्चार्ज टिकट में लिख दिया कि अगली बार जरूरत पर इस मरीज को रक्त बदले में मिल जाएगा। व्यवस्था में आमूलचूल सुधार की जरूरत डोनर कार्ड से रक्त देना ही होगा। नहीं देंगे तो लोग स्वैच्छिक रूप से रक्तदान को आगे क्यों आएंगे। एक तो आप रक्तदान करें व खुद के जरूरत पड़े पर बार बार विनती करें, हाथाजोड़ी करें कि प्लीज कार्ड से रक्त दे दीजिए तो यह कहां की बुद्धिमानी है। दूसरा, अगर किसी को चार युनिट ब्लड चाहिए और मरीज का रिश्तेदार चार डोनर कार्ड लेकर आ रहा है तो ब्लड बैंक को चार युनिट ब्लड देना होगा। इसमें यह फालतू के एक्सक्यूज नहीं चलेंगे। क्योंकि जिस डोनर ने कार्ड दिया है उसने इस उम्मीद से दिया है कि मेरा दिया रक्त आज कार्ड के जरिये किसी के काम आ रहा है। नहीं देना कार्ड का तो अपमान है ही, मरीजों से भी खुलेआम खिलवाड़ है। अभी एमबी ब्लड बैंक में कार्ड देखते ही डॉक्टरों का पारा गर्म हो जाता है। ऐसा जैश्चर दिया जाता है मानों डोनर कार्ड लाकर कोई अपराध कर दिया हो। अगर इस बारे में सरकार का कोई नियम है तो उसे स्पष्ट रूप से बोर्ड पर लिख दिया जाए। नहीं है तो रक्त देना ही होगा। कौनसा डाक्टर कैसा है, किसका व्यवहार कैसा है, कौन कितने कैंप कर चुका है, कौन दयालू हैं, आदि एक्सक्यूज नहीं चलने वाले। कुछ वक्त पहले अस्पताल अधीक्षक की उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा से इसी मामले में तीखी बहस हुई थी व उनके हस्तक्षेप के बाद डोनर कार्ड से रक्त दिया गया था। ऐसे में अस्पताल प्रशासन को अपनी ढिठाई को भी त्याग कर जन भावना को समझना चाहिए।

इस मामले में होना चाहिए एक्शन

मरीज के तीमारदार ने कहा कि उनके मामले में संबंधितों पर एक्शन होना चाहिएं। डोनर कार्ड का अपमान करने वालां पर कार्रवाई नहीं की गई तो माना जाएगा कि उपर से नीचे तक सब लोग मिले हुए हैं। उदयपुर के विधायकों व सांसद को भी मामले में संज्ञान लेकर अस्पताल प्रशासन को सख्त निर्देश देने चाहिए।

दोस्त के साथ घूमने गई नाबालिग से रास्ते में मिले युवकों ने किया गैंगरेप



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. भीलवाड़ा। मामला भीलवाड़ा के सुभाष नगर थाना इलाके में 16 साल की लड़की अपने 17 साल के दोस्त के साथ बाइक पर घूमने गई। दोनों शहर से 3 किलोमीटर दूर सुनसान एरिया में चले गए। वहां उन्हें 4 लड़के मिले। नाबालिग लड़के भी शामिल थे। इन्होंने डरा-धमकाकर लड़की से गैंगरेप किया। मेडिकल में गैंगरेप की पुष्टि हो गई है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि 2 किशोरों को डिटेन किया गया है।घटना 5 नवबंर शाम कोठारी नदी के पास हुई। सुभाष नगर थाने में लड़की के पिता ने गैंगरेप का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि 16 साल की स्कूली छात्रा अपने दोस्त (17 साल) के साथ बाइक पर घूमने गई थी। दोनों भीलवाड़ा से दूर कोठारी नदी के पास पहुंचे। यहां सांगानेर और मांडल के बीच 10 किलोमीटर रिंग रोड है जो सुनसान रहता है। लड़की और उसके दोस्त को 4 लड़के मिले। उनकी उम्र 16 से 20 साल के बीच बताई जा रही हैं चारों ने सुनसान इलाके के फायदा उठाकर लड़की को छेड़ना शुरू कर दिया। इसके बाद फ्रेंड को डरा-धमकाकर अलग कर दिया। लड़की को जान से मारने की धमकी देकर चारों ने लड़की के साथ गैंगरेप किया। चारों ने लड़की और लड़के को घर या पुलिस को घटना की जानकारी न देने के लिए धमकाया। सभी वहां से फरार हो गए। लड़की बदहवास हालत में घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने सोमवार को मामला दर्ज होने के बाद जांच शुरू की। दो नाबालिगों को पुलिस ने सोमवार को ही डिटेन कर लिया।एक बालिग आरोपी को गुरुवार को चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार किया गया है।

भाजपा पदाधिकारियों ने साबरमती रिपोर्ट फिल्म देखी



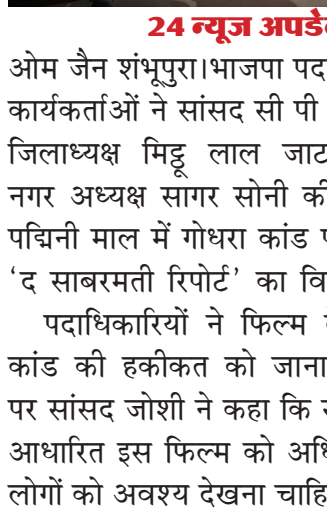
24 न्यूज अपडेट

ओम जैन शंभूपुरा।भाजपा पदाधिकारीयो एवं कार्यकर्ताओं ने सांसद सी पी जोशी, भाजपा जिलाध्यक्ष मिट्ठू लाल जाट एवं भाजपा नगर अध्यक्ष सागर सोनी की उपस्थिति में पद्मिनी माल में गोधरा कांड पर बनी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' का विशेष शो देखा।

पदाधिकारियों ने फिल्म देखकर गोधरा कांड की हकीकत को जाना। इस अवसर पर सांसद जोशी ने कहा कि सत्य घटना पर आधारित इस फिल्म को अधिक से अधिक लोगों को अवश्य देखना चाहिए, ताकि लोगों को देश की घटनाओं तथा समाज मे क्या घट रहा है उसकी सही जानकारी पता चल सके। सांसद जोशी ने फिल्म के डायरेक्टर, निर्देशक और फिल्म में काम करने वाले कलाकारों का फिल्म के माध्यम से युवा पीढ़ी और दुनिया के सामने सच रखने पर आभार जताया।

इस दौरान भाजपा भाजपा जिला महामंत्री रघु शर्मा, रणजीत सिंह भाटी, हर्षवर्धन सिंह रूद,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मनोज पारीक, जिला कोषाध्यक्ष हरीश ईनानी, रजनीश पितलिया, गौरव त्यागी, नगर महामंत्री घनश्याम लोट, संजय सुहालका, नगर मंत्री विष्णु सेन, भाजयुमो नगर अध्यक्ष अविनाश शर्मा, नगर मीडिया प्रभारी लोकेश मिश्रा,दीपक शर्मा, शुभम सुखवाल, उमाशंकर दिवस हरीश गुरनानी, प्रमोद राजपुरोहित, अर्जुन जोनवाल आदि उपस्थित रहे।

विधायक आक्या की अभिशंसा पर पांच नवीन आंगनवाड़ी खोलने की स्वीकृति जारी



24 न्यूज अपडेट

ओम जैन शंभूपुरा। चित्तौडगढ़ विधायक चंद्रभानसिंह आक्या की अभिशंषा पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा पेश बजट में विधानसभा क्षैत्र में पांच नवीन आंगनवाड़ी केंद्र खोलने की घोषणा की गई थी।

इस क्रम में निदेशालय, समेकित बाल विकास सेवाएं जयपुर द्वारा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत धीरजी का खेड़ा के ग्राम केसरपुरा की ढाणी, ग्राम पंचायत सादी के ग्राम डूंगाजी का खेड़ा, ग्राम पंचायत पालका के ग्राम रेगरो का सियालिया, नगर परिषद के वार्ड नम्बर 29 मधुवन सेंती व वार्ड नम्बर 57 भोईखेड़ा में नवीन आंगनवाड़ी केंद्र खोलने की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है।

बिलोदा में विधायक आक्या कि उपस्थिति में महादेव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सम्पन्न



24 न्यूज अपडेट

ओम जैन शंभूपुरा।चित्तौडगढ़ विधानसभा क्षैत्र के ग्राम बिलोदा में आयोजित तीन दिवसीय बावड़ी वाले मंदिर में महादेव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम गुरूवार को विधायक चंद्रभानसिंह आक्या की उपस्थिति में हवन पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हुआ।

इस दौरान आयोजित महाआरती में विधायक आक्या ने सम्मलित होकर आर्शीवाद प्राप्त किया व चित्तौडगढ़ वासियो की खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर लाल सिंह जाट, मनोहर जाट, राजाराम जाट, उंकार जाट, भगतसिंह जाट, लालसिंह राठी, पुष्कर जाट, दिनेश जाट, हरिसिंह जाट, कुकालाल डांगी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

एसआई भर्ती पेपर लीक के 10 आरोपियों को जमानत, डमी अभ्यार्थियों सहित 9 को राहत नहीं



24 न्यूज अपडेट

जयपुरः राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस उप निरीक्षक भर्ती 2021 पेपर लीक मामले में 10 आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं. वहीं अदालत ने डमी अभ्यर्थियों के तौर पर परीक्षा में शामिल आरोपियों सहित कुल 9 आरोपियों की जमानत अर्जियों को खारिज कर दिया है. जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश मामले में दायर कुल 19 जमानत अर्जियों पर सुनवाई करते हुए दिए। एक डमी अभ्यर्थी गिरधारीराम की ओर से अधिवक्ता दीपक चौहान ने बताया कि उसके खिलाफ आरोप है कि उसने 10 लाख रुपए लेकर विक्रमाजीत के स्थान पर डमी उम्मीदवार के रूप में परीक्षा दी. जबकि जिस दिन परीक्षा हुई थी वह जैसलमेर में शिक्षक के रूप में स्कूल में उपस्थित था. उसके उपस्थिति रजिस्टर से यह साबित होता है. इसके अलावा विक्रमजीत के प्रवेश पत्र में लगी उसकी फोटो और परीक्षा के दौरान दी गई दूसरी फोटो से यह साबित है कि उसके स्वयं ही लिखित परीक्षा दी थी. इसके अलावा उसका नाम भी एफआईआर में नहीं है और वह गत 18 अप्रैल से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है ।

सीबीआई का धमाका : चित्तौड़गढ़ के नारकोटिक्स के इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते दबोचा, 3 लाख लेते गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। केंद्रीय जांच ब्यूरो सीबीआई ने आज धमाका किया। चित्तौड़गढ़ के केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के इंस्पेक्टर और बिचौलिए को रिश्वत लेते गिरफ्तार कियां ये लोग एकक क्लिनिक के खिलाफ मामले के निपटारे के लिए 20 लाख रुपए की रिश्वत मांग रहे थें बिचौलिए के माध्यम से रिश्वत के 3 लाख रुपए लेते इंस्पेक्टर को पकड़ा गया। दोनों आरोपियों से अब पूछताछ की जा रही हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो को परिवादी ने शिकायत दी कि चित्तौड़गढ़ के केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के इंस्पेक्टर एक बिचौलिए के मार्फत 3 लाख रुपए की रिश्वत मांग रहे है। रकम आरोपियों की ओर से उनकी क्लिनिक के खिलाफ मामले के निपटारे के लिए मांगी जा रही है। निपटारे के लिए 20 लाख रुपए की रिश्वत की डिमांड की गई थी। उसके बाद आरोपियों की ओर से 8 लाख रुपए की रिश्वत मांग रखी गई। शिकायत पर बुधवार को केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के आरोपी इंस्पेक्टर आदर्श योगी और बिचौलिए केशव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। सीबीआई ने ट्रेप का जाल बिछाया। चित्तौड़गढ़ के इंस्पेक्टर आदर्श योगी की ओर से 3 लाख रुपए की रिश्वत लेते बिचौलिए केशव को रंगे हाथों धर-दबोचा। टीम के चित्तौड़गढ़ और बीकानेर में आरोपी इंस्पेक्टर के घर और ऑफिस की तलाशी ली। टीम ने तलाशी में आपत्तिजनक डॉक्यूमेंट को जब्त किए।

7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का रिजल्ट कल:18 से 22 राउंड में होगी वोटों की गिनती

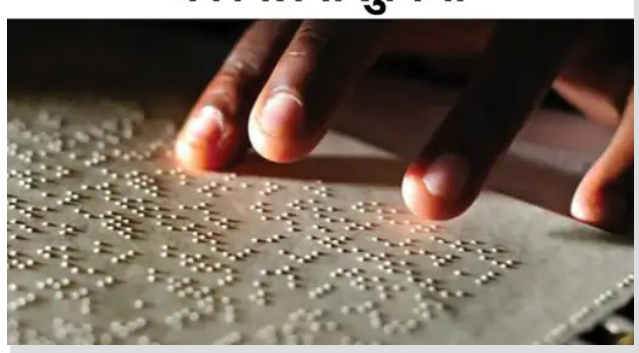


24 न्यूज अपडेट

24 न्यज अपडेट, उदयपुर। राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को हुए उपचुनावों के रिजल्ट कल 23 नवंबर (शनिवार) को आने जा रहे हैं। राजस्थान के 7 जिला मुख्यालयों उदयपुर, डूंगरपुर, झुंझुनूं, अलवर, दौसा, टोंक, नागौर, पर सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया- ईवीएम से वोटों की गिनती सुबह 8:30 बजे शुरू की जाएगी। इसके लिए 98 टेबल लगाई गई है। सभी 7 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 141 राउंड में ईवीएम से वोटों की गिनती होगी। वोटर्स की संख्या के आधार पर 18 से 22 राउंड में गिनती होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलेट गिने जाएंगे। इसके बाद ईवीएम के वोटों की गिनती होगी। पांच सीटों पर विधायकों के सांसद बनने और दो पर विधायकों के निधन की वजह से उपचुनाव हुए थे। दौसा सीट से कांग्रेस के मुरारीलाल मीणा, देवली-उनियारा से हरीश मीना, झुंझुनूं से बृजेंद्र सिंह ओला, खींवसर से हनुमान बेनीवाल, और चौरासी विधानसभा सीट से विधायक राजकुमार रोत के सांसद बन जाने से सीटें खाली हुई थी। संलूबर से भाजपा विधायक अमृतलाल मीणा और रामगढ़ से कांग्रेस विधायक जुबेर खान का निधन होने की वजह से सीट खाली हुई है।

राजस्थान सरकार नेत्रहीन स्टूडेंट्स को देगी फ्री ब्रेल लिपि स्मार्टफोन:दिव्यांग स्टूडेंट्स को मिलेगी बैटरी से चलने वाली ट्राइ साइकिल, हर जिले में कैंप लगेंगे

6 से 12वीं तक के स्टूडेंट्स को मिलेगी सुविधा



24 न्यूज अपडेट

राजस्थान में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अब दृष्टिहीन और दिव्यांग स्टूडेंट्स को फ्री स्पेशल ब्रेल लिपि स्मार्टफोन दिया जाएगा। इसके साथ बैटरी से चलने वाली ट्राई साइकिल दी जाएगी। क्लास 6 से 12वीं तक में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को यह सुविधा मिलेगी। इसके लिए जल्द ही जिला स्तर पर रजिस्ट्रेशन कैंप का आयोजन होगा। इसके बाद स्टूडेंट्स को जिला स्तर पर ही यह उपकरण फ्री में दिए जाएंगे।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया- राज्य सरकार की चाइल्ड विद स्पेशल एजुकेशन स्कीम के अंतर्गत समावेशी शिक्षा के तहत सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले दिव्यांग स्टूडेंट्स को सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के सहयोग से सहायक उपकरण फ्री दिए जाते हैं।

जो स्टूडेंट्स पैरों से दिव्यांग हैं। चलने-फिर ने असमर्थ है। उनको ट्राइसाइकिल फ्री दी जाएगी। अब तक इस योजना में हाथ से चलने वाली ट्राइसाइकिल दी जाती थी। इस बार पहली बार बैटरी से चलने वाली ट्राइसाइकिल दी जाएगी।

स्मार्ट फोन की कीमत 50 हजार रुपए

जो स्टूडेंट्स नेत्रहीन हैं। उनको पहली बार राज्य सरकार द्वारा ब्रेल लिपि वाला विशेष स्मार्ट फोन फ्री दिया जाएगा। उनको पढ़ाई में मदद हो सके। स्मार्ट फोन की कीमत 50 हजार रुपए है। ये शिक्षा विभाग का नवाचार है। जो सामाजिक न्याय और अधिकार विभाग के साथ मिलकर किया जा रहा।

श्मशान घाट में चिता पर जिंदा हुआ शख्श, लेकिन मौत ने पीछा नहीं छोड़ा.आखिर हुआ क्या?

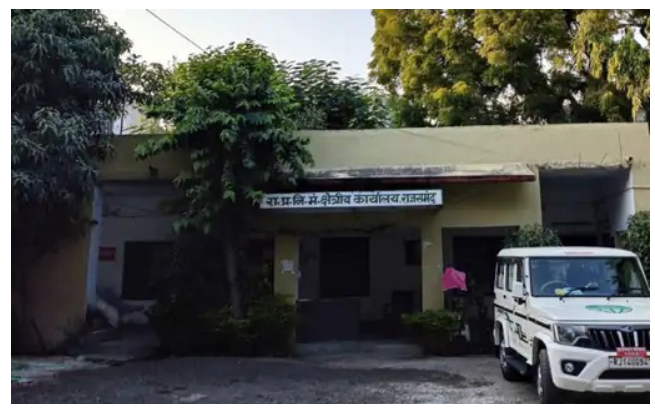


24 न्यूज अपडेट

झुंझुनूं/जयपुर. जिले में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक व्यक्ति को मृत घोषित करने के बाद वह श्मशान घाट में जिंदा हो गया. यह घटना तब घटी जब गुरुवार दोपहर को जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया. इसके बाद, शव को मोर्चरी भेज दिया गया, जहां उसे डी-फ्रिज में दो घंटे तक रखा गया. शव को पुलिस की मदद से पंचनामा बनवाने के बाद एंबुलेंस से श्मशान घाट ले जाया गया. श्मशान घाट पर चिता पर लेटे इस व्यक्ति के शरीर में अचानक हरकत होने लगी और उसकी सांसें चलने लगीं. यह देखकर सभी लोग चकित रह गए और तुरंत एंबुलेंस बुलाकर उसे वापस अस्पताल भेजा गया। रात भर भगवान दास खेतान हॉस्पिटल में भर्ती रखने के बाद शुक्रवार सुबह मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए जयपुर रेफर किया गया. एंबुलेंस से उसे जयपुर ले जाया जा रहा था, लेकिन उसने बीच रास्ते में ही दम तोड़ दिया ।

दरअसल झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में जीवित व्यक्ति को मृत बताने का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया. झुंझुनूं के बगड़ कस्बे में मां सेवा संस्थान से गुरुवार सुबह रोहिताश नाम के एक व्यक्ति को इमरजेंसी हालत में बीडीके अस्पताल में भर्ती कराया गया. बताया जा रहा है कि रोहिताश दिव्यांग था, इलाज के दौरान चिकित्सकों ने रोहिताश को मृत घोषित कर दिया और पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में डेड बॉडी को रखवा दिया, इस दौरान डेड बॉडी को लगभग 2 घंटे से अधिक समय तक डीप फ्रीजर में रखा गया,अंतिम संस्कार के दौरान जब चिता पर अग्नि देने का समय आया तो शव वक्त हरकत करने लगा. इसके बाद वहां मौजूद लोग आनन-फानन में रोहिताश को बीडीके अस्पताल मे लाया गया जिसके बाद रोहिताश को एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की पुरस्कार योजना:प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पादन इकाई की जानकारी देने पर 10 हजार का मिलेगा इनाम



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद में प्रतिबंधित प्लास्टिक वस्तुओं के उत्पादन की इकाई की जानकारी देने पर अब सरकार 10 हजार रूपए का इनाम देगी। साथ ही जानकारी देने वाले की पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी। प्लास्टिक से मुक्ति के लिए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा पुरस्कार योजना की शुरुआत की है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की 12 अगस्त, 2021 को जारी अधिसूचना के अनुसार 1 जुलाई, 2022 से प्लास्टिक की डंडिया, झंडे, कैंडी स्टिक, आइसक्रीम की डंडिया, पॉलिस्टायरीन, थर्माकोल के सजावटी सामान, प्लेट कप, गिलास, कांटे, चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ ट्रे जैसे कटलरी आइटम मिठाई के डिब्बों व इनविटेशन कार्ड को पैक करने वाली फिल्म, 100 माइक्रोन से कम मोटाई की प्लास्टिक पीवीसी बैनर को प्रतिबंधित किया गया है। उच्च न्यायालय द्वारा 02 जून, 2023 द्वारा प्लास्टिक कोटेड पेपर कप को भी इसी सूची में शामिल किया गया है।

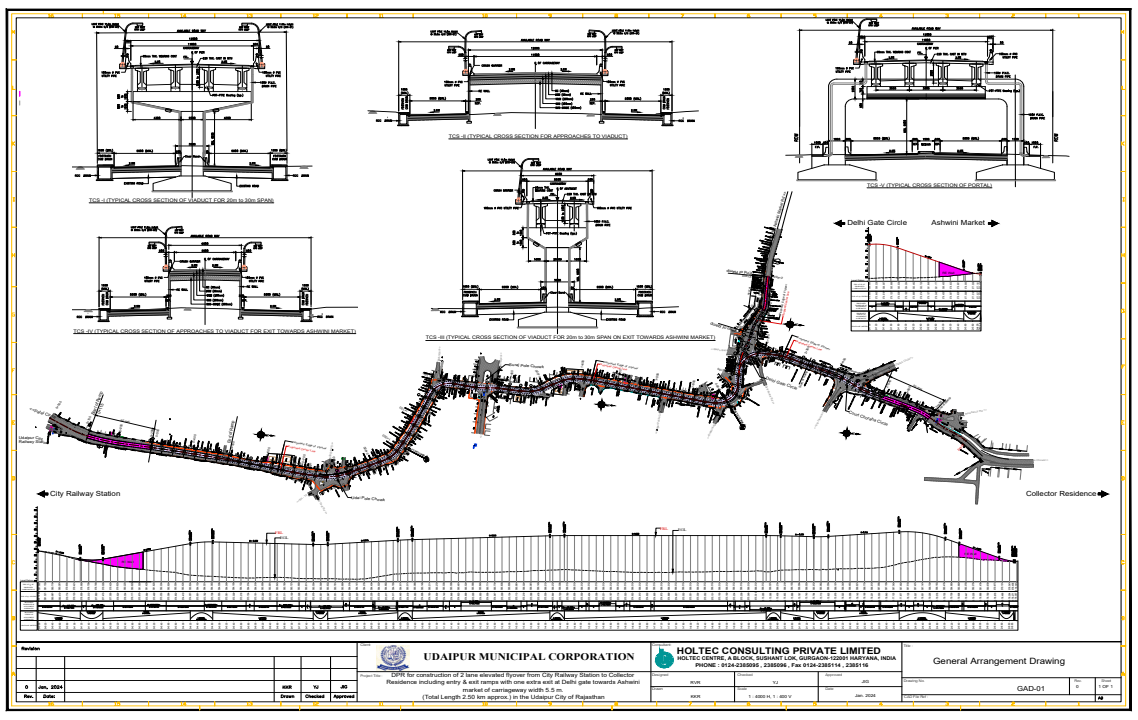
आदेश की पालना के क्रम में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक वस्तुओं की उत्पादन इकाइयों की जानकारी प्रदान करने वाले नागरिकों के लिए इनाम योजना की शुरुआत की गई है। योजना के अंतर्गत किसी भी नागरिक द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक वस्तुओं की उत्पादन इकाइयों के संचालन के बारे में राज्य मंडल को ईमेल ईमेल rorpcb.rajsamand@gmail.com अथवा क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, पुराना आबकारी कार्यालय भवन, कलाल वाटी, राजसमंद पर सूचित कर सकते है।

सूचना की पुष्टि पर सूचना सही पाये जाने पर 10000 रूपए की राशि बतौर इनाम दी जावेगी। सूचना देने वाले नागरिक की पहचान गुप्त रखी जायेगी। इस योजना का लाभ एक इकाई के लिए एक बार ही लागू रहेगा।योजना का उद्देश्य आम नागरिकों में प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पाद के बहिष्कार की जागरूकता फैलाने और जन भागीदारी से उक्त प्रतिबंध को प्रभावी कार्यान्वयन में लाने का है।

हाईकोर्ट बोला- तकनीकी खामियों को एक्सपर्ट देखें, बड़ा सवाल- निगम के कॉपी-पेस्ट चैंपियन इंजीनियर्स कैसे दूर करेंगे खामियां??

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में बन रहे एलिवेटेड फ्लाई ओवर को लेकर हाईकार्ट की डबल बैंच के आदेश के बाद बनने या नहीं बनने को लेकर तमाम अटकलों पर विराम लग गया है। लेकिन इस फैसले में कोर्ट ने साफ लिखा है कि तकनीकी खामियों को एक्सपर्ट देखें। अर्थात फ्लाई ओवर के निर्माण में जो भी तकनीकी खामियां कोर्ट को बताई गईं उनको एक्सपर्ट को देखना होगा। अब यह नगर निगम की जिम्मेदारी है कि वो उन सभी खामियों को देखें व दूर करे जो कोर्ट में बताई गईं है। अब सवाल यह उठ रहा है कि निगम के जो इंजीनियर टेण्डर डाक्यूमेंट तक नहीं पढ़ सकते हैं और उसमें कॉपी पेस्ट की कलाकारी को काम में लेकर निगम को ही मजाक का पात्र. बनाते हैं वे तकनीकी खामियों को कैसे देख पाएंगे। देखने के लिए बिना राजनीतिक पर्दे वाली खुली आंखें होना जरूरी है। जिस डॉक्यूमेंट को आधार बना ठेका दिया गया उसके 500 पेज कॉपी पेस्ट के सूरमा इंजीनियरों से पढ़े नहीं गए, उनसे जनता यह कैसे उम्मीद कर सकती है कि वे 137 करोड़ के भारी भरकम काम की हर तकनीकी का बारीकी से निरीक्षण सफलतापूर्वक कर लेंगे। जो तकनीकी खामियां हाईकोर्ट को बताई गई थीं उनका परीक्षण-निरीक्षण करके उनमें सुधार करके जनता का विश्वास कैसे बहाल करेंगे?? उन सवालो ंका जवाब कैसे देंगे जो टेण्डर डाक्यूमेंट में कमियों से स्वाभाविक रूप से ऑन पेपर उठ खड़े हुए हैं। जिन सवालों पर अब निगम के बड़े अफसरों से लेकर नेता तक भागते हुए नजर आ रहे हैं।



निगम तुरंत बनाएं टेक्निकल एक्सपर्ट पैनल

क्या निगम बाहर से तकनीकी विशेषज्ञ बुलाकर हाईकोर्ट की भावना के अनुरूप खामियों का परीक्षण करवाएगी?? नगर निगम को काम शुरू होने से पहले ही यह स्पष्ट करना चाहिए ताकि संदेह की गुंजाइश ही ना रहे। दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। क्योंकि बिल्ली को दूध की रखवाली देने जैसा काम तो निगम पहले ही कर चुका है। ठेकेदार से कह चुका है कि लाखों का जनता का पैसा खर्च करके हमने जो डिजाइन बनाई है वो तो बस आपके देखने के लिए है। उसमें बदलाव आप अपनी जरूरत के अनुसार कर लीजिए। नेता माने या रूठे, जनता को कोई लेना-देना नहीं, विकास का महायज्ञ है आहुतियां शुद्ध होनी चाहिए एलिवेटेड रोड बनाना विकास का महायज्ञ है। इसकी निगरानी कर रहे नेताओं को अब अति उत्साह में पक्ष या विपक्ष में बंटने, एलिवेटेड के बनने या नहीं बनने पर हां व ना पक्ष की राजनीति से बाज आज जाना चाहिए। मूल बात एलिवेटेड फ्लाई ओवर की सेहत का है बाकी सब गौण है। कौन रूठ रहा है, कौन मना रहा है। कौन क्रडिट ले रहा है, कौन घोंचे कर रहा है इससे जनता को कोई लेना-देना नहीं है। कई नेता डिजाइन को बदलने की बात कर रहे हैं लेकिन पास कर दिए गए टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार फाइनल डिजाइन को तय करने का जिम्मा हमने ठेकेदार पर छोड़ दिया है वो चाहे सो करे। सीधी और सपाट बात है कि तकनीकी पक्ष पर जनता को विश्वास में लेना ही होगा। नहीं लेंगे तो जवाब आज बार-बार और भविष्य में कई बार उठेंगे। उत्साह में आकर - हम निगरनी कर लेंगे, हम अच्छा बनाएंगे, बेहतरीन काम होगा, शानदार काम होगा आदि तर्क देने से काम कतई नहीं चलने वाला है। जनता को तो रोडमेप चाहिए कि तकनीकी खामियों का क्या किया, कैसे दूर की। यह सब ऑन पेपर बताया जाना चाहिए ताकि बाद में कोई परेशानी ना हो। इसके अलावा सबसे बडी बात ये है कि हम ऐसा काम ही क्यों छोड़ें कि बाद में उसकी बार-बार मॉनिटरिंग करके आश्वासन देना पड़े कि काम सही हो रहा है या नहीं, अभी से सब कुछ ऑन पेपर होना चाहिए।

कॉपी-पेस्ट वालों को चार्जशीट जरूरी

इस मामले में ब्लंडर मिस्टेक करने वाले नगर निगम के कॉपी पेस्ट इंजीनियरों को बचाने के प्रयास उपरी स्तर तक तेज हो गए है। इसमे लाभार्थी नेताओं का भी पूरा इन्वोल्वमेंट दिखाई दे रहा है। पूरी बहस को एलिवेटेड रोड बने या नहीं बने पर केंद्रित कर दिया गया है। उसके लिए बकायदा सोशल मीडिया कैम्पेन चलाया जा रहा है। ओपीनियन मोल्डर्स को काम पर लगाया गया है। ताकि वे लों का ओपीनियर मैन्यूफेक्चर्ड कर सकें। लोगों की आंखों में धूल झोंक कर ये प्रयास हो रहे हैं कि किसी भी तरह से ब्लंडर करने वाले इंजीनियरों को कार्रवाई से बचा लिया जाए। शहर के जागरूक लोगों का मत है कि ऐसे इंजीनियरों को चार्जशीट जरूर मिलनी चाहिए जो अर्थ का अनर्थ करने पर तुले हुए हों। उन्होनें टेण्डर डाक्यूमेंट में इस फ्लाई ओवर को कोटा का हाईवे बता दिया है। ठेका मिलने के एक महीने में 5 किलोमीटर के आस-पास रोड के अतिक्रमण हटा कर सुपुर्द करने की बात लिखी है जबकि एलिवेटेड फ्लाई ओवर की कुल लंबाई ही इतनी नहीं है। इसके अलावा रेलवे से एक महीने में परमिशन लाने की बात लिखी है जबकि रेलवे का कोई लेना है ना देना। पूरा का पूरा काम ही ''उदड़े पर दे दियां कॉपी पेस्ट वालों की मेहरबानी से टेण्डर डाक्यूमेंट में कहीं जिक्र नहीं है कि पूरे निर्माण में सामान की विशिष्टियां क्या होंगी। सामान की विशिष्टियां मतलब कि हर चीज की बारीकी। उदाहरण के लिए लोहा टाटा स्टील का लगेगा या री रोड या लोकल गला हुआ लगेगा। सीमेंट कौनसे ग्रेड की लगेगी, गिट्टी रेत आदि की गुणवत्ता की कोई चर्चा नहीं की गई है। जबकि ये टेण्डर की बेसिक्स हैं। अगर विशिष्टियां नहीं लिखी जाएंगी और ठेकेदार लोकल भंगार से बने सरिये लगा देगा तो क्या करोगे?? कम ग्रेड की सीमेंट काम में लेगा तो हमारे कापी पेस्ट वाले इंजीनियर साहब उन्हें कैसे रोकेंगे। तब ठेकेदार के पास लीगल शील्ड भी होगी कि मेरी क्या गलती है, टेण्डर डाक्यूमेंट में ही यह सब नहीं लिखा है। यह सब इसलिए हुआ है क्योंकि ना निगम के सबसे बड़े वाले इजीनियर साहब ने इसे पढ़ा है ना इंजीनियर महापौर साहब ने इस डाक्यूमेंट को खोल कर देखा लगता है। यदि नहीं देखा तो उसके साइड इफेक्ट की जिम्मेदारी उन पर ही डाली जानी चाहिए व चार्जशीट जरूर दी जानी चाहिए। क्योंकि अगर ये आज बच जाएंगे तो कल किसी और काम में बड़ा खेल कर देंगे।

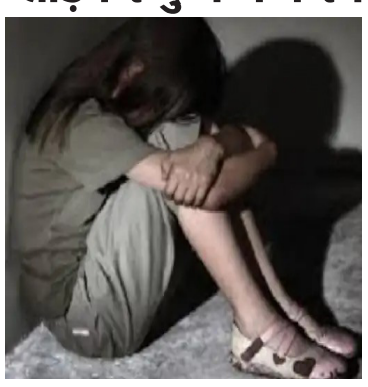
जनमाशंकर दवे पर कोर्ट की टिप्पणी, कल और आज

डीबी रिट पर जोधपुर हाईकोर्ट ने अपने फैसले में पिटिशनर जमनाशंकर दवे पर टिप्पणी की है कि वे एलिवेटेड रोड पर बहुत ज्यादा सवाल उठा रहे हैं। इस बिंदु पर बड़ी चर्चा हो रही है। आपको बता दें कि जनमाशंकर दवे 81 साल के हैं। जब हमने दवे से संपर्क करना चाहा तो पता चला कि इन दिनों वे गंभीरी बीमारी से जूझ रहे हैं। आपको बता दें कि 2018 में जब हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल की गई थी, तब दवे के साथ स्वर्गीय ओमप्रकाश खत्री और उदयपुर सिटीजन सोसायटी साथ थे। उस समय इन्हीं पिटिशनर जमनाशंकर दवे के निवेदन को स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने तकनीकी खामियों के मद्देनजर एनएचएआई को कई निर्देश दिए थ। एनएचएआई से कहा गया कि इंडियन रोड कांग्रेस के नियमों के अनुसार सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट नई दिल्ली से ओपीनियन लेने के निर्देश दिए थे। इसके बाद एनएचएआई ने कोर्ट को बताया कि सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट इस काम के लिए 30 लाख 24 हजार 930 रूपए की डिमांड कर रहा है। यह कहते हुए एनएचएआई ने अपनी एप्लीकेशन कोर्ट से विड्रो कर ली। तब हाईकोर्ट ने तकनीकी पक्ष को ही ध्यान में रखते हुए आदेश दिया था कि आगे भविष्य में भी अगर यूआईटी इसे बनाती है तो उसकी परमिशन लेना जरूरी होगा।

अब क्या किया जाना चाहिए

- ब्लैम गेम बंद करके सीधा सपाट सवाल पूछना चाहिए कि कॉपी-पेस्ट वाले इंजनियरों पर क्या कार्रवाई की।
- कॉपी पेस्ट वाला टेण्डर डाक्यूमेंट अब नहीं बदला जा सकता, ऐसे में उसे बनाने का पूरा खर्च इंजीनियर्स से वसूला जाए
- ठेकेदार को पाबंद किया जाए कि वो किस किस ग्रेड का समान काम में लेगा, इसकी लीगल वेल्यू वाले डाक्यूमेंट पर घोषणा करे।
- एलिवेटेड फ्लाई ओवर की जो खामियां हाईकोर्ट में बताई गई उनके निरीक्षण के लिए एनएचएआई के इंजीनियरों की मदद ली जाए। बिना उनकी परमिशन के काम शुरू नहीं किया जाए।
- ठेकेदार को पाबंद किया जाए कि वो रेलवे की परमिश, एक महीने में 5 किलोमीटर, कोटा का हाईवे आदि कॉपी पेस्ट की गलतियों का कोई लाभ नहीं उठाएगा।
- ठेकेदार को निगम खुद डिजाइन बना कर दें, डिजाइन को उसके हवाले छोड़ने की मूर्खता नहीं करे।

किडनैप कर नाबालिग का हाथ तोड़कर दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. डूंगरपुर। जिले की दोवड़ा थाना पुलिस ने नाबालिग से मारपीट कर रेप के आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लियां। उसकी बाइक को भी जब्त किया है। आरोपी ने नाबालिग का हाथ तोड़ दिया था व उसके बाद उसके साथ ज्यादती की थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया की दोवड़ा थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता ने 19 नवंबर को थाने पर आकर मामला दर्ज कराया। रिपोर्ट दी कि 6 नवम्बर को आरोपी युवक ने फोन करके घर के बाहर बुलाया। जिस पर घर के बाहर गई तो आरोपी बाइक लेकर घर के बाहर खड़ा था। आरोपी उसे डरा धमकाकर जबरन बाइक पर बैठाकर जंगल में ले गया। जंगल में एक मकान में ले गया और उसके साथ रेप करने की कोशिश की, जिस पर उसने विरोध किया, लेकिन आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और एक लट्ठ से उसके हाथों पर मारा, जिसे हाथ में फ्रेक्चर हो गया। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी सुनील को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही घटना में प्रयुक्त बाइक को भी जब्त कर लिया गया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है।

राणा की जय-जय : हवन-यज्ञ से शुरू होगी राजतिलक रस्मः 10 हजार लोगों के आने का अनुमान, सभी राजघरानाओं के मुखिया भी होंगे शामिल



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ का राजतिलक यहां फतेह प्रकाश महल परिसर में होगी जिसकी तैयारियां जोरों पर है। 25 नवंबर को चित्तौड़गढ़ दुर्ग स्थित फतेह प्रकाश महल में 493 साल बाद राजतिलक रस्म का आयोजन होने जा रहा है। पूर्व सांसद महाराणा महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन के बाद बेटे विश्वराज सिंह मेवाड़ एकलिंगनाथजी के 77वें दीवान होंगे। चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर विश्वराज सिंह के राजतिलक की परंपरा की तैयारियां जोरों पर हैं। चित्तौड़गढ़ के लोगां में भी गजब का उत्साह दिखाई दे रहा है। जौहर स्मृति संस्थान की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। इस अवसर पर 10 हजार से भी ज्यादा लोगों की आने की संभावना है। इनमें कई राजघरानाओं के मुखिया व अन्य सदस्य आएंगे। राजतिलक रस्म में सोमवार सुबह करीब 6.30 बजे से हवन, यज्ञ फतह प्रकाश महल परिसर में होगा। विश्वराज सिंह मेवाड़ सुबह पहले राजतिलक की रस्म की के बाद गद्दी पर बैठकर अपनी बरसों से चली आ रही परंपरा को निभाएंगे। इसके बाद वे पगड़ी धारण करेंगे। फिर उदयपुर के राजमहल में धूणी के दर्शन करेंगे। इसके बाद मेवाड़ के राजा एकलिंग नाथजी के दर्शन कर उनके निवास स्थान समोर बाग में रंग दस्तूर की परंपरा निभाई जाएगी। इस दौरान पूरे प्रदेश के राजघरानाओं के मुखिया के आने का कार्यक्रम है। कई राजनेताओं के भी आने की संभावना है। चित्तौड़गढ़ वासी भी इसमें शामिल हो सकते हैं। जितने भी लोग आए, सभी को भोजन मिले, उसी हिसाब से खाने की व्यवस्था की जा रही है।

तेज रफ्तार टैंकर ने पिता-पुत्र को रौंदा, खून लगे टायर से हुई टैंकर की पहचान



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में बाइक सवार पिता-पुत्र को टैंकर ने रौंद दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मंगरोप थाना इलाके में नेशनल हाईवे-48 (दिल्ली से चेन्नई) पर गुवारडी नाले के पास यह हादसा हुआ। हादसे में बाइक के साथ ही दोनों के शरीक कुचला गए। ड्राइवर घटना स्थल से 4 किलोमीटर दूर टैंकर छोड़कर फरार हो गया। टायर पर खून से टैंकर की पहचान हो गई। सीसीटीवी फुटेज में पूरी धटना कैद हो गई। पुलिस के अनुसार बाइक पर सवार देवी लाल अहीर (45) पुत्र भंवर लाल और उसके बेटे राजकुमार अहीर (21) को टेंकर ने चपेट में ले लियां दोनों हमीरगढ़ में तखतपुरा गांव के रहने वाले थे। हाईवे पर गुवारडी नाले के पास तेज रफ्तार टैंकर आ रहा था जो बाइक समेत दोनों को कुचलते हुए निकल गया। पुलिस को यह वाहन 4 किलोमीटर दूर जोजरो का खेड़ा (भीलवाड़ा) के पास खड़ा मिला। टायरों पर खून लगा था। वाहन को जब्त कर लिया गया। शवों को मोर्चरी में रखवाया गया है। आरोपी ड्राइवर की तलाश की जा रही है। मरने वाला देवी लाल खुद ट्रक ड्राइवर था। उसका ट्रक भीलवाड़ा में रिपेयरिंग के लिए सर्विस सेंटर पर दे रखा था। गुरुवार शाम वह ट्रक लेने मैकेनिक के पास गया था। ट्रक ठीक नहीं हुआ तो वापस राजकुमार के साथ बाइक पर आ रहा था। बाइक राजकुमार चला रहा था। राजकुमार ने इसी साल 12वीं की परीक्षा पास की थी। छोटी बहन व देवीलाल की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल हो गयां तखतपुरा गांव में चूल्हा नहीं जला।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।